आरती श्री शिवजी की

जय शिव ओंकारा, जय शिव ओंकारा
ब्रह्मा,विष्णु,सदाशिव,अर्द्धांगी धारा ।। ॐ जय...

एकानन चतुरानन पंचानन राजे ।
हंसासन गरूड़ासन वृषवाहन साजे ।। ॐ जय...

दो भुज चार चतुर्भुज दसभुज अति सोहे ।
त्रिगुण रूप निरखते त्रिभुवन जन मोहे ।। ॐ जय...

अक्षमाला वनमाला मुण्डमाला धारी ।
त्रिपुरारी कंसारी कर माला धारी ।। ॐ जय...

श्वेताम्बर पीताम्बर बाघम्बर अंगे ।
सनकादिक गरूणादिक भूतादिक संगे ।। ॐ जय...

कर के मध्य कमंडलु चक्र त्रिशूलधारी ।
सुखकारी दुखकारी जगपालन कारी ।। ॐ जय...

ब्रह्मा विष्णु सदाशिव जानत अविवेका ।
प्रणवाक्षर में शेभित ये तीनों एका ।। ॐ जय...

त्रिगुणस्वामी जी की आरती जो कोई नर गावे ।
कहत शिवानन्द स्वामी सुख सम्पति पावे ।। ॐ जय...

विवरण

जो शुभ को करने वाले हैं ऐसे ओंकारनाथ भगवान शिव की जय हो । यही ब्रह्मा भी हैं, विष्णु भी यहीं हैं, और जिनके शरीर से गंगा की धारा प्रवाहित हो रही है वह शिव भी यहीं हैं, इन्हीं शिव की अर्द्धांगिनी

माँ पार्वती हैं ।

ये एकानन हैं, अर्थात् एक मुख वाले हैं, ये चतुरानन (चतुरमुख वाले) भी हैं और पंचानन (पाँच मुख वाले)भी यही हैं । ब्रह्मा के रूप में इनका आसन हंस हैं तथा विष्णु के रूप में ये गरूड़ पर सवार रहते हैं तथा शिव के रूप में ये बैल पर सवार रहते हैं, ऐसे ओंकारनाथ की जय हो ।

दो भुजाओं वाले शिव, चार भुजाओं वाले विष्णु एवं दस भुजाओं वाले ब्रह्मा के रूप में ये शंकर बड़े ही शोभायमान होते हैं । इनका ये तीनों रूप देखकर तीनों भुवनों के लोगों का मन इनके प्रति मोहित हो जाता है । ये शंकर जी क्षयरहित माला को एवं वन के फूलों तथा मुण्डों की माला को भी धारण करने वाले हैं, तथा इन त्रिपुरारी शिव जी के हाथों में भी माला शोभित होती है ।

ये श्वेत वस्त्र भी धारण करते हैं, पीला वस्त्र भी धारण करते हैं, तथा बाघ के छाल का भी वस्त्र बनाकर ये धारण करते हैं । देवताओं आदि के, गरूड़ आदि के तथा देवताओं के जो रक्षक हैं, उनके भी साथी ये शंकर जी हैं । इनके हाथों के बीच कमंडलु तथा चक्र एवं त्रिशूल भी रहता है ।

ये शंकर जी सुख को देने वाले हैं तथा दुखों को हरण करने वाले तथा सम्पूर्ण जगत के पालनकर्ता भी हैं । ये शंकर जी ब्रह्मा, विष्णु एवं शिव तीनों के रूप में यही जाने जाते हैं ।ये तीनों एक ही हैं । इस त्रिगुण स्वामीजी की आरती जो भी गाता है, शिवानन्द स्वामी कहते हैं कि, वह सुख एवं सम्पत्ति को पाता है ।

visit www.astrogyan.com for more aarthi's, free indian astrology horoscope charts & predictions.
all information © since 2000, Aks Infotech Pvt. Ltd., portal designed & developed by Pintograph Pvt. Ltd.